SHRI MURASOLI MARAN: I am not the custodian of the privilege of Members of Parliament.

*6. [*The questioner (Shri Santosh Bagrodia) was absent. For answer,* vide *col.* 45 infra.]

**आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि**

†67. **श्री रजनी रजन साहू :**
**श्री मुरलीधर चन्द्रकांत भंडारे :**

**क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्रीय बजट, 1990 के पेश किए जाने के पश्चात पिछले दो मास के दौरान चीनी, वनस्पति तेलों, चाय आदि जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में अत्याधिक वृद्धि हो गयी है;

(ख) यदि हां, तो कीमतों में कितनी वृद्धि हुई है और चीनी, वनस्पति खाद्य तेलों, साबुनों, दालों की कीमतों की बजट प्रस्तुत किए जाने से पूर्व तथा अप्रैल, 1990 के अंत में तुलनात्मक स्थिति क्या है और कीमतों में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ग) विभिन्न प्रकार के कपड़े की दरों में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है; और

(घ) कीमतों को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

**खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल) :**

**विवरण**

(क) 1990-91 का केंद्रीय बजट 19 मार्च, 1990 को प्रस्तुत किया गया था। 17 मार्च, व 14 अप्रैल, 1990 के बीच, जिसके लिए नवीनतम आंकड़े उपलब्ध हैं, थोक मूल्य सूचकांक में 1.6% की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान मूंगफली के तेल, सरसों के तेल, वनस्पति, चीनी, दालों, आलू, सीमेंट तथा पेट्रोल, हाई स्पीड डीजल तेल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य सूचकांकों में वृद्धि हुई है और बाजरा, नारियल के तेल, सूती कपड़ा (मिल का) जैसी मदों के मूल्य सूचकांकों में कमी हुई है।

(ख) 17.3.1990 तथा 14.4.1990 को चुनी आवश्यक वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांकों में आए प्रतिशत उतार-चढ़ाव के बारे में सूचना विवरण II में दी गई है। (नीचे देखिये)

(ग) कुछ किस्मों के कपड़े के 17-3-1990 तथा 14-4-1990 को थोक मूल्य सूचकांक विवरण III में दिए गए हैं।

(घ) सरकार ने आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि को रोकने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और इस प्रयोजन के लिए दीर्घकालिक तथा अल्प-कालिक दोनों उपाय किए जा रहे हैं। सरकारी नीति में मुख्य जोर आवश्यक वस्तुओं, जिनकी आपूर्ति कम है, का उत्पादन बढ़ाने, खाद्यान्न की अधिप्राप्ति तथा सुरक्षित भण्डार बनाने से संबंधित कार्यों को कारगार ढंग से करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने, जमाखोरों, कालाबाजारियों तथा समाज विरोधी तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम को सख्ती से लागू करने तथा भुगतान शेष की समग्र स्थिति को ध्यान में रखते हुए जहां कहीं आवश्यक हो खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं के आयात के जरिए घरेलू उपलब्धता में वृद्धि करने पर दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों की राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के नागरिक आपूर्ति विभागों के जरिए भी नियमित रूप से परिवीक्षा की जा रही है।

†सभा में यह प्रश्न वस्तुत: श्री रजनी रंजन साहू द्वारा पुछा गया।

**विवरण**

**17-3-90 व 14-4-90 को चुनी वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांक और उनमें आया उतार-चढ़ाव का प्रतिशत**

| वस्तु | थोक मूल्य सूचकांक | | प्रतिशत उतार-चढ़ाव |
|---|---|---|---|
| | 17-3-90 | 14-4-90 | |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| चावल | 164.2 | 165.6 | +0.9 |
| गेहूं | 139.0 | 141.4 | +1.7 |
| ज्वार | 128.6 | 129.0 | +0.3 |
| बाजरा | 136.1 | 136.0 | -0.1 |
| चना | 186.4 | 199.3 | +6.9 |
| अरहर | 203.1 | 216.1 | +6.4 |
| मूंग | 207.5 | 208.7 | +0.6 |
| मसूर | 179.6 | 187.3 | +4.3 |
| उड़द | 248.2 | 263.9 | +6.3 |
| आलू | 129.1 | 165.2 | +28.0 |
| प्याज | 103.8 | 104.3 | +0.5 |
| दूध | 202.2 | 202.2 | स्थिर |
| मछली | 179.2 | 179.4 | +0.1 |
| गोश्त | 209.9 | 209.9 | स्थिर |
| लाल मिर्च | 122.3 | 124.8 | +2.0 |
| चाय | 315.1 | 314.1 | - 0.3 |
| काफी | 212.4 | 215.4 | +1.4 |
| आटा | 172.7 | 169.7 | - 1.7 |
| चीनी | 141.5 | 144.5 | +2.1 |
| खांडसारी | 137.3 | 152.2 | +10.9 |
| गुड़ | 145.9 | 156.1 | +7.0 |
| नमक | 157.6 | 156.2 | - 0.9 |
| वनस्पति | 195.4 | 197.1 | +0.9 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| मंगफली का तेल | 181.8 | 186.5 | + 2.6 |
| रेप व सरसों का तेल | 144.7 | 154.6 | + 6.8 |
| नारियल का तेल | 180.5 | 179.6 | – 0.5 |
| जिजली का तेल | 202.7 | 220.1 | + 8.6 |
| पेट्रोल | 145.2 | 167.9 | + 15.6 |
| हाई स्पीड तेल | 119.1 | 139.4 | + 17.0 |
| मिट्टी का तेल | 129.9 | 120.9 | स्थिर |
| सूती कपड़ा (मिल का) | 153.7 | 153.2 | – 0.3 |
| सूती धागा | 192.9 | 192.7 | – 0.1 |
| कपड़े धोने का घरेलू साबुन | 153.3 | 153.3 | स्थिर |
| नहाने का साबुन | 200.3 | 200.3 | स्थिर |
| कृत्रिम अपमार्जक | 132.4 | 132.4 | स्थिर |
| सीमेन्ट | 150.7 | 170.1 | + 12.9 |
| समस्त वस्तु | 169.5 | 172.2 | + 1.6 |

**विवरण II**

**विगत चार सप्ताहों (अर्थात् 17-3-90 और 14-4-90 के बीच) के दौरान कपड़े के थोक मूल्य सूचकांक में उतार-चढ़ाव का प्रतिशत**

| वस्तुएं | उतार-चढ़ाव का प्रतिशत |
|---|---|
| 1 | 2 |
| | **14-4-90**<br>**17-3-90** |
| **सूती कपड़ा (मिल का)** | – 0.3 |
| लाग क्लाथ/शटिंग | +0.1 |
| पापोलन/शटिंग | +0.1 |
| कोटिंग/ड्रिल | स्थिर |

| 1 | 2 |
|---|---|
| धोती, साड़ी और वाइल्स | −1.1 |
| **विविध** | +0.6 |
| सूती कपड़ा (विद्युत करघा) | +2.7 |
| सूती कपड़ा (हथकरघा) | +2.3 |
| खादी कपड़ा | स्थिर |
| **मानव निर्मित कपड़े** | +0.1 |
| विस्कोस स्टेपल फाइबर | स्थिर |
| पोलिएस्टर स्टेपल फाइबर | −8.8 |
| विस्कोस फिलामेंट यार्न | −1.1 |
| फिलामेंट यार्न सिन्थेटिक | +4.2 |
| ब्लेंडेड मिश्रित कपड़ा | +0.3 |
| आर्ट सिल्क कपड़ा | −4.6 |
| **ऊनी कपड़े** | −0.6 |
| ऊनी धागा | −1.2 |
| ऊनी कपड़ा | स्थिर |
| शटिंग कपड़ा | स्थिर |
| ऊनी होजरी | स्थिर |

**स्रोत** : आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, उद्योग मंत्रालय।

**श्री रजनी रंजन साहू** : सभापति जी, यह बड़ा ही महत्वपूर्ण प्रश्न सदन के समक्ष प्रश्न-काल में आया है, मेरी समझ से इसका समाधान प्रश्न काल में नहीं किया जा सकता है। इसके लिए मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि हम कुछ साथियों ने मिलकर एक कालिंग अटेंशन दिया था, वो कब आएगा, इसका आज तक फैसला नहीं हो सका, (प्राइस राइज के बारे में)। हमने मांग की थी कि सदन में इस पर बहस की जाए।

**श्री सभापति** : ठीक है, आपने सही सवाल उठाया है कि प्राइस राइज पर डिस्कशन होगा, यह तय हो गया है। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में जब वित्त मंत्री होंगे, उस समय इस पर डिस्कशन हो जाएगा।

**श्री रजनी रंजन साहू** : मैं सिर्फ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा। कि हम लोगों ने इस पर मांग की है

**श्री सभापति :** आप लोगों ने मांग की है, वह पूरी हो गई । अब क्वेश्चन नम्बर 68 ।

**श्री रजनी रंजन साहू :** जहां तक इस प्रश्न के उत्तर का संबंध है, मंत्री महोदय ने मंजूर किया है कि कीमतें बढ़ी हैं, खास कर के सबसे ज्यादा कीमत, जो गरीबों का मुख्य भोजन चावल, दाल के साथ आलू होता है, उसमें 28 प्रतिशत कीमतें बढ़ी हैं, यह उनके उत्तर से जाहिर है और जो एडमिनिस्टर्ड प्राइसिज की वजह से पैट्रोल डीजल, केरोसीन आयल, रेल-भाड़े की वजह से जो कीमतें बढ़ी हैं, उसके बारे में कोई स्पष्टीकरण उत्तर में नहीं दिया गया है। प्रधान मंत्री अभी सदन में थे, वह चले गए हैं। अपनी भरपूर आवाज में वह कीमतों को कम करने के लिए कहते हैं, लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि सरकार ने जिन आवश्यक वस्तुओं की कीमत स्वयं बढ़ाई है, उसको कम करने का उनके पास क्या उपाय है? क्या सरकार गरीबों के आवश्यक सामान, जो आवश्यक भोजन पदार्थ है---एडिबल आयल और आलू इत्यादि---इसकी कीमत कम करने के लिए सरकार क्या तत्काल कदम उठा रही है?

प्रश्न (ख) है मेरा कि एडिमिनिस्टर्ड प्राइसिज की जो कीमत है, उसके बारे में सरकार कुछ विचार कर रही है या नहीं?

**श्री राम पूजन पटेल:** माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, वह बहुत विस्तृत प्रश्न है और बहुत ही आवश्यक है। यह भी सत्य है कि कुछ चीजों का दाम बढ़ा है और कुछ चीजों के दाम अपने सूचकांक में कम भी हुए हैं जैसे बाजरा, नारियल का तेल, सूती कपड़ा (मिल्स), इन सब चीजों के दाम कुछ कम हुए हैं, लेकिन कुछ आवश्यक चीजों जैसे वनस्पति तेल, सरसों का तेल, मूंगफली का तेल, दाल, आलू, सीमेंट, पैट्रोल, इन सब चीजों के दाम बढ़े हैं, इसमें कोई दो रायें नहीं हैं। लेकिन बहुत सी चीजों का दाम इस बीच में नीचे भी हुआ है। .... **(व्यवधान)**....आपकी दृष्टि इस समय केवल जो पैट्रोल की कीमत सरकार ने बढ़ाई है, उस पर है और चीनी का दाम मैं समझता हूं कि काफी नीचे आ गया है ...**(व्यवधान)**...

**श्री शांति त्यागी:** सभापति जी, चीनी 10 रुपए किलो बिक रही है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** होलसेल प्राइस इन्डैक्स दिया है उन्होंने।

**श्री रजनी रंजन साहू:** सभी चीजों की कीमतें बढ़ी हैं। इसको सरकार ने मंजूर किया है कि कीमतें बढ़ी हैं सब चीजों पर। मैं जानना चाहता हूं कि यह कीमतें कम करने के लिए उनके पास क्या उपाय हैं और सरकार की तरफ से जो कीमतें बढ़ाई गई हैं, उसके लिए वह विचार कर रही है कि इसको कम किया जाएगा या नहीं। मेरा पहला प्रश्न यही था। अब दूसरा सप्लीमेंटरी, अगर यह इसका उत्तर नहीं दे सकते तो मैं साथ-साथ पूछना चाहता हूं क्योंकि मेरे और साथी भी पूछना चाहेंगे।

**श्री राम पूजन पटेल :** माननीय अध्यक्ष जी, कीमतें कम करने के लिए सरकार निरंतर कोशिश कर रही है और काफी चीजों के दाम पहले से कम भी हुए हैं। अब केवल किसी सरकार पर दोषारोपण करना तो मैं उचित नही समझता हूं। ...**(व्यवधान)**... चुनाव के पहले भी चीनी की कीमत 13-14 रुपए किलो हो गई थी। इस समय 9 रुपए से नीचे चीनी की कीमत हो गई है। ..**(व्यवधान)**..

**श्रीमती सत्या बहिन :** महंगाई की इनको कोई जानकारी नहीं है। इसके लिए क्या प्रयास कर रहे हैं आप?

श्री रजनी रंजन साहू: अध्यक्ष जी, यह पिछली सरकार की बात कर रहे हैं। आप अभी तो उपाय बताइए कि क्या कर रहे हैं?

श्री राम पूजन पटेल: किस-किस चीज़ का बताएं? प्रयास किया जा रहा है ... (व्यवधान) ...

श्रीमती सत्या बहिन: नतीजे क्या हैं उनके?

श्री रजनी रंजन साहू: मैं जानना चाहता हूं कि आपका स्पेसिफिक प्रयास क्या है?

श्री सभापति: मेरी सदस्यों से प्रार्थना है कि एक साथ 10-10 लोग प्रश्न न करें। इस प्रश्न-काल का एक नियम है

There are rules and, according to that, we must go on. We have become a laughing stock. Let us be careful. Ours is a House of elders. I would request you. I would humbly request all of you. Please, let the questioner ask and let the Minister reply.

श्रीमती सत्या बहिन: सर, प्रयास का नतीजा बता दें।

श्री सभापति: आपका जब सप्लीमेंटरी आएगा, तब पूछ लीजिएगा।

श्री राम पूजन पटेल: सरकार ने जो उपाय किए हैं और कर रही है, उससे मैं अवगत कराता हूं। .. (व्यवधान) ..

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: We must accept Ram Pujan Patel here because he has not been accepted by Mulayam Singh Yadav there.

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, what relevance has this got to the question? He has been kicked out of Kashmir. What right has he got to say all these things? (*Interruptions*). Is it relevant to the main question? This should be expunged. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Do not take it seriously. (*Interruptions*)

SHRI N. E. BALARAM: Sir, what is going on here? (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: He has been kicked out of Kashmir. This should also go on record.

श्री राम पूजन पटेल: माननीय सभापति जी, फोतेदार साहब बहुत अनुभवी हैं और मैं समझता हूं कि विचारशील व्यक्ति हैं। इतने गंभीर मामले पर जिन शब्दों का उन्होंने प्रयोग किया है, मैं समझता हूं कि वे उचित नहीं हैं और उनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए कि कौन किसको किक करता है। अब राजनीति में कितने लोग किक किए गए हैं, कुछ नहीं कहा जा सकता। .... (व्यवधान) ....

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: No reflection on you.

श्री राम पूजन पटेल: जो सरकार ने उपाय किए हैं या सरकार उपाय कर रही है कि कीमतें न बढ़ें उसमें है कि उत्पादन और उपलब्धता में वृद्धि की जाए और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आपूर्ति की जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम और इसी प्रकार के अधिनियमों को सख्ती से लागू करने के लिए सरकार ने निर्देश दे दिए हैं। साथ ही साथ केन्द्रीय और राज्य स्तरों पर मूल्यों और उपलब्धता की स्थिति की गहन मानिटरिंग के लिए भी आदेश दे दिए गए हैं। किसी के साथ किसी प्रकार की भी रियायत नहीं की जाएगी। जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, इसमें किसी प्रकार की छूट किसी को नहीं दी जाएगी।

श्री सीताराम केसरी: माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा खाद्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि आज जो खाने-पीने की चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं, उस संबंध में आपने जो कदम

उठाने की बात कही है, इस सिलसिले में मैं आपसे यह जानना चाहूंगा, यद्यपि प्रधान मंत्री जी यहां पर उपस्थित नहीं हैं, उन्होंने कल अपने भाषण में विशाखापटटनम में कहा है कि अगर कीमत उद्योगपतियों ने कम नहीं की तो वे दंडित किए जाएंगे, तो मैं आपसे जानना चाहता हूं कि जिस प्रकार से वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने देश के उद्योगपतियों पर रेड किया था क्या उसी तरह से चीजो की कीमतों को कम करने के लिए उन उद्योगपतियों को दंडित करेंगे ?

**श्री राम पूजन पटेल** : माननीय सभापति जी, प्रधान मंत्री जी ने अपने वित्त मंत्री काल में जिस तरह से रेड डाली थी पंजीपतियों के ऊपर, मैं समझता हूं कि देश के हित में उससे भी सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है और वह की जाएगी।

MR. CHAIRMAN: Very good.

**श्री वीरेन्द्र वर्मा** : माननीय मंत्री जी को जानकारी है कि जब से डीजल आंयल की कीमत बढ़ी है मिट्टी का तेल डीजल आंयल में मिलाया जा रहा है, जिसकी वजह से किसानों के ट्रेक्टर्स, ग्रीस और बसेज के इंजन में खराबी आ रही है। यदि यह उनकी जानकारी में है तो रोकने के लिए या किसी कैमिकल्स को मिलाने की वह कोशिश करेंगे ? एक तो मेरा यह पार्ट है ?

दूसरे, अगर मंत्री यह बता सकें तो बतायें। उन्होंने कहा कि हम प्रोडक्शन बढ़ाकर कीमतों को रोकने की कोशिश करेंगे, बहुत सही बात है। पिछले वर्ष चीनी का उत्पादन 87 लाख 52 हजार टन हुआ था। इस वर्ष तक अभी 90 लाख 65 हजार टन हो चुका है। यदि प्रोडक्शन बढ़ी है तो फिर चीनी की बढ़ती कीमत को रोकने के लिये क्या ठोस कदम वह उठा रहे हैं ?

**श्री राम पूजन पटेल** : जहां तक मिलावट का सवाल है, बहुत सी सरकारी एजेन्सीस हैं जो उसकी जांच करती हैं।

**श्री सभापति** : इन्होंने कैरोसीन और डीजल की बात कही है विशेषकर।

**श्री राम पूजन पटेल** : डीजल और कैरोसीन की बात मैं कर रहा हूं।

**श्री सभापति** : अगर यह हो रहा है तो आप इसको रोकेंगे।

**श्री राम पूजन पटेल** : इसको रोकने के लिये हमारे अधिकारी लोग कार्य करते हैं। जहां तक चीनी की कीमत बढ़ने का सवाल है, मान्यवर, अभी इस साल गन्ने की कीमत हम लोगों ने काफी बढ़ायी हैं। उसके बावजूद भी चीनी की कीमत इतनी नहीं बढ़ी है जितना कि हम लोग सोच रहे हैं। मैं समझता हूं स्वाभाविक है कि जब गन्ने की कीमत बढ़ायी जायेगी तो थोड़ा बहुत जरूर उसका दाम भी बढ़ सकता है।

**श्री अनंतरे देवशंकर दवे** : मान्यवर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अभी उन्होंने बताया कि सभी चीजों में कीमतें बढ़ गयीं हैं। मैं एक ही क्वेश्चन पूछना चाहता हूं कि आज की तारीख में एन.डी.डी.पी.बी. के पास ग्राउडनट की कितनी क्वान्टिटी है और वह कब रिलीज करना चाहते हैं ? चूंकि जो ऐसा होगा तो ग्राउंडनट की कीमतें जो बढ़ गयी हैं वह कम होंगी ? क्या यह मंत्री महोदय करना चाहते हैं और कितना स्टाक है वह भी बतायें ?

**श्री सभापति** : ग्राउंडनट वाले इलाके से आ रहे हैं, गुजरात के हैं। ग्राउंडनट के बारे में बता दीजिये।

**श्री राम पूजन पटेल** : सर, इसको बता दिया जायेगा।

**श्री सभापति** : अभी इनके पास मालुमात नहीं है। मालुमात करके आपको बता देंगे।

SHRI VIREN J. SHAH: Sir, this matter is directly connected with

this question about prices of essential commodities. Edible oil is one of the most essential commodities for every person because of its fat content. The question is, the NDDB has raised the price in the market. Now they have to release the stock. When are they planning to do it? This is the simple question he has to answer. And, Sir, I am not asking my supplementary. My supplementary is yet to come.

MR. CHAIRMAN: He says, he requires notice for this.

SHRI VIREN J. SHAH: Sir, it arises directly from this. Where is the question of notice in this?

**श्री अनंतरे देवशंकर दवे**: क्वेश्चन नं० 62 पर जो सवाल है मेरा भी वही सवाल है। लेकिन जेठमलानी जी नहीं आये हैं, इसलिये वह रह गया है।

**श्री सभापति**: आप बताइयेगा वह यह कह रहे हैं कि जो स्टाक आता है, वह रिलीज करेंगे आप।

**श्री राम पूजन पटेल**: जी साहब। नोटिस दे देंगे तब हम बता देंगे।

**श्री प्रमोद महाजन**: क्वेश्चन नं. 62 इससे रिलेटिड है। अगर चाहें तो उसकी फाइल देखें, पूरा सवाल तेल पर है। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: He requires notice.

**श्री वीरेन जे० शाह**: क्वेश्चन 62 में भी ... (व्यवधान)

**श्री सभापति**: वह तो आया ही नहीं।

**श्री वीरेन जे० शाह**: जवाब तो उनके पास है। (व्यवधान)

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Sir, why does he not look to the other page where the officers have supplied him the answer to part (c) of Question No. 62? Please ask him to open that page and answer...Sir, I propose that we forgive the Minister and let us pass over this question.

SHRI G. G. SWELL: Sir, I am notable to catch your eye...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Everybody does not have to get up. You have to raise your hand.

**श्री अनंतरे देवशंकर दवे**: गुजरात गवर्नमेंट ने भी उनसे पूछा था कि आपके पास ग्राउंडनट आंयल का कितना स्टाक है उन्होंने आज तक जवाब नहीं दिया। आज भी वह जवाब नहीं देंगे ऐसा मुझे लगता है। इसलिए मैं आपकी सहायता चाहूंगा। (व्यवधान)

**श्री राम पूजन पटेल**: कुछ चीजें ऐसी होती हैं कि नेशनल इंटरेस्ट में नहीं बतायी जाती हैं (व्यवधान)। इसमें भी ऐसा ही है।

**श्री एन० के० पी० साल्वे**: मेरी दरख्वास्त है कि अगर आप यह समझते हैं कि उनकी यह मांग जायज है तो अगले शुक्रवार को इस प्रश्न को ले लिया जाए। उनको कहा जाए तब वह तैयार होकर आयें। वह नये-नये मंत्री हैं। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: He says, it will not be in the public interest to divulge it. That is all. There are rulings that when the Minister says, the Government says that it is not in public interest, it is a complete answer.

SHRI N. K. P. SALVE: But do you accept it?...We will not accept a mere averment by the Minister. Are you accepting this?

SHRI V. NARAYANASAMY: Is giving information about the stock of food articles not in public interest? Is that acceptable? The Chairman has to be satisfied on this.

**श्री एन० के०पी० साल्वे**: आपको कबूल है कि यह जवाब जो दिया है सही है (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Will you all sit down? Let me make the position very clear. It is an established practice that when the Minister says that it is not in public interest, it is a complete answer, though it puts the responsibility on the Minister not to use it lightly at all. It should be used in very very rare cases.

SHRI VIREN J. SHAH: With the greatest respect, it has been used every lightly.

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: It is in May's Parliamentary Practice.

SHRI S. B. CHAVAN: May I submit?

MR. CHAIRMAN: No, no.

SHRI S. B. CHAVAN: About this point, Sir, about the protection that the hon. Minister is trying to seek from the Hon. Chair. May I request you, Sir, that this is a policy statement of this Government that there should be right to information. On the other hand, he is saying that it will not be in public interest to disclose this. When the question of prices is being asked, I do not think any Minister can take up this plea. There is no question of public interest involved in this.

SHRI N. K. P. SALVE: You have yourself said that this right must be exercised in the rarest of rare cases. Do you think, Sir, that a matter of this nature is the rarest of rare cases where under the garb, under the protection, under the plea of public interest, we should be denied the information which we are entitled to and the right of expressing our indignation over what is happening in the matter of price rise? We will leave it to your judgement. If it is a matter which is really the rarest of rare cases and where it is even remotely justified, we will have nothing to say. But if this is a case either of avoiding embarrassment or purely a case where he does not have information about it, then my respectful submission is that the question be postponed to next Friday.

MR. CHAIRMAN: Take your seat please. When I sit on this Chair, I am not there to protect the Government or the Opposition. I have only stated the position as it obtains. The position is very clear that if a Minister or the Government decides to say that a reply to this will not be in public interest, it is a settled practice that we do not question it. But, as I have said, this particular thing is said in very very rare cases. I hope the Minister has looked into it and found that it is a case where he must use this privilege. I have no right to question his decision on this. So, the matter is closed.

Question Hour is over.

---

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

### खाद्य तेलों का आयात

*62. श्री राम जेठमलानी : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि देश में खाद्य तेलों की उपलब्धता में कठिनाई महसूस की जा रही है ;

(ग) यदि हां, तो पिछले तेल वर्ष (नवम्बर-अक्तूबर) के अंत में देश में आयातित खाद्य तेलों का कुल कितना भंडार था ;

(घ) क्या सरकार ने पिछले तेल वर्ष के दौरान घरेलू उत्पादन का अनुमान लगाया था ; और

(ङ) यदि हां, तो इस प्रकार अनुमानित उत्पादन कितना था और सरकार ने खाद्य तेलों के आयात का निर्णय किस तारीख को लिया था ?